- उन योजनाओं के बारे मे जानकारी करें और उनका लाभ लेकर डेयरी लगायें।

आलेख एवं प्रस्तुतिकरणः-
डॉ अवधेश कुमार झा सहायक प्राध्यापक गव्य व्यवसाय प्रबन्धन
विभाग संजय गाँधी गव्य प्रौद्योगिकि संस्थान, पटना
विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
प्रसार शिक्षा निदेशालय
बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय परिसर पटना-14
Email: deebasupatna@gmail.com (Official), dee-basu-bih@gov.in
Mob.: +91 94306 02962,+91 80847 79374

RE: 805191078I/ August/ 2022

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
BIHAR ANIMAL SCIENCES UNIVERSITY

प्रसार पुस्तिका संख्याः- DEE/2022-45

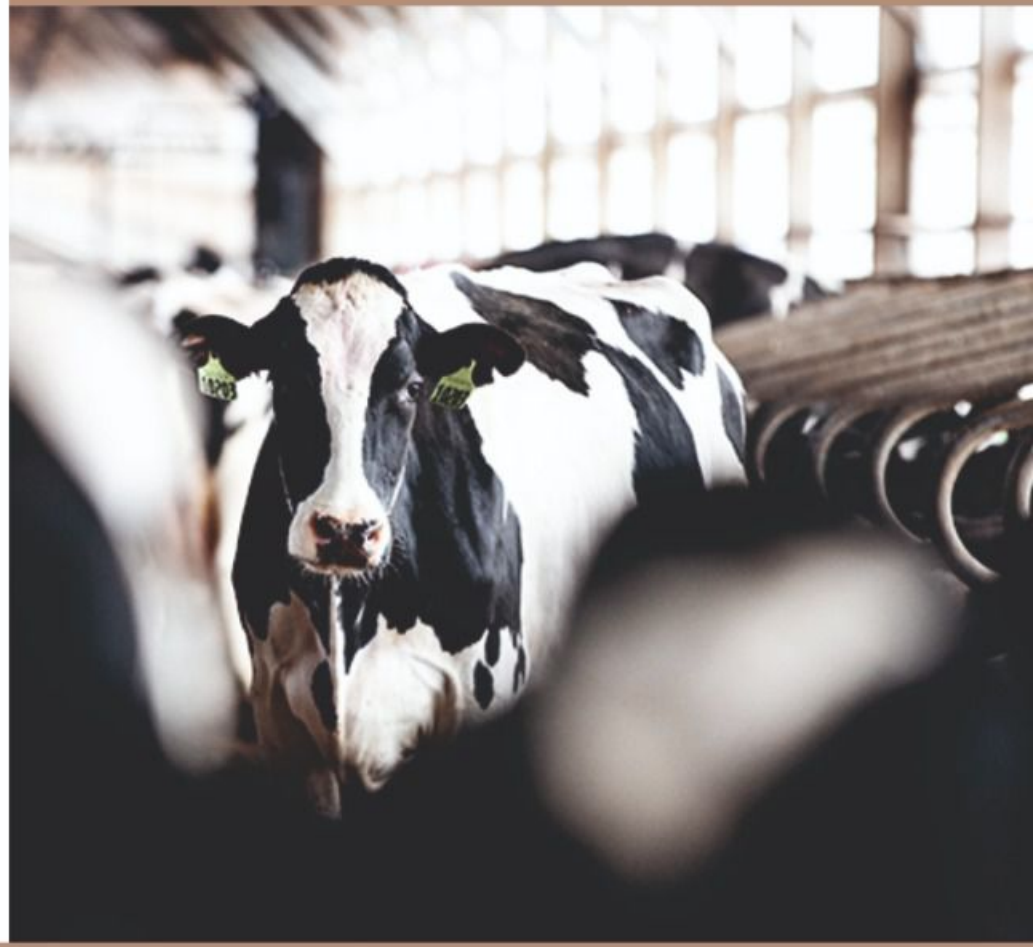

दुग्ध उद्यमिता विकास योजना : प्रावधान एवं व्यवसाय के अवसर

प्रसार शिक्षा निदेशालय
बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय,पटना-14

दुग्ध उत्पादन हेतु डेयरी लगाने से पहले कुछ आवश्यक सुझाव

भारत में किसानो द्वारा दूध के लिए गाय या भैंस पालने की परंपरा बहुत पुरानी है क्योकि दूध या दूध से बने खाद्य–पदार्थ भारतीय भोजन के अभिन्न अंग रहे हैं और पोषण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। आज बढती पारिवारिक आय, शिक्षा, जागरूकता, शहरीकरण एवं नए खाद्यपदार्थों के प्रति अभिरुचि के कारण दूध और दूध से बने पदार्थों की मांग घरेलु और अन्तराष्ट्रीय बाजारों में लगातार बढ़ रही है। इन मांगों को देखते हुए डेरी फार्मिंग आजीविका हेतु एक बेहतरीन व्यवसायिक विकल्प बनकर उभर रहा है।

दुग्ध उत्पादन के लिए पशुपालन डेरी फार्मिंग कहलाता है। डेरी फार्मिंग किसानो और युवा–उद्यमियों को एक बेहतरीन व्यवसायिक विकल्प प्रदान करता है जिसके माध्यम से न सिर्फ ज्यादा कमाई की जा सकती है बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित किये जा सकते हैं। यही वजह है कि आज पढ़े लिखे युवाओं का एक बड़ा तबका डेरी फार्मिंग को अपनी आजीविका के रूप में अपना रहे हैं या अपनाना चाहते हैं। पर व्यवसायिक डेरी फार्म लगाने के इच्छुक लोगों के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं का ध्यान रखना आवश्यक है।

डेरी फार्मिंग के लिए कुछ आवश्यक बातें

- डेरी फार्म लगाने से पहले कुछ महत्त्वपूर्ण बातों को समझना और उनका ध्यान रखना जरुरी है।
- इस व्यवसाय में मुनाफा है तो मेहनत और जोखिम भी ज्यादा है।
- जो पशु दूध देते हैं उनमे जान होती है और मनुष्य की तरह ही भोजन, आवास, उपचार और प्रबंधन की जरुरत होती है।
- इस व्यवसाय को अपनाने के लिए धैर्य, जानवरों के प्रति प्रेम और लगाव, स्वयं को चुनौतियों और दिन–रात परिश्रम करने के लिए तत्पर रखना बहुत जरुरी है।
- आवश्यकता पडने पर गोबर उठाना, साफ सफाई करना, चारे और कुट्टी को काटकर पशु को खिलाना भी पर सकता है।
- इसलिए डेरी शुरू करने से पहले खुद को इन परिस्थितियों के लिए तैयार कर लेना ही जरुरी है।
- यदि ये सभी गुण आप में हैं और इन चुनौतियों के लिए आप मानसिक रूप से तैयार हैं तो फिर आगे की सोचें।
- अगले कदम के रूप में आधुनिक एवं वैज्ञानिक डेरी फार्मिंग पर ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाएं।
- देश में कई संस्थान, विश्वविद्यालय और संस्थाएं हैं जो युवाओं, किसानों और डेरी फार्मिंग करने के इच्छुक लोगों के लिए कई तरह के कार्यक्रम, कोर्सेज, प्रशिक्षण आदि की सुविधा प्रदान करते हैं।
- बुनियादी प्राथमिक पशु उपचार, कृत्रीम गर्भाधान, स्थानीय तौर पर उपलब्ध वस्तुओँ से पशु– आहार, स्वछ–दुग्ध उत्पादन इत्यादि की जानकरियां एवँ प्रशिक्षन इस वय्वसाय को बेहतर ढंग से चलाने मे मददगार साबित होता है। यथा साध्य इन्हे प्राप्त करने की कोशिस करें।
- सरकारों द्वारा देश में सम्बन्धित विभागों एवँ बैंकों के माध्यम से कई योजनाएं चलायी जा रही हैं जिनमे व्यापक सबसीडियां दी जाती हैं।